भारत सरकार

परमाणु ऊर्जा विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 1918

जिसका उत्तर दिनांक 07.03.2018 को दिया जाना है

यूरेनियम का उत्पादन

1918. श्री दुष्यंत चौटाला :

क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार देश में परमाणु रिएक्टरों के कार्य को अबाध जारी रखने के मद्देनजर यूरेनियम के स्वदेशी उत्पादन और आयात में वृद्धि करने की योजना बना रही है ;

(ख) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ;

(ग) क्या सरकार को भारत को यूरेनियम का निर्यात करने वाले देशों से किसी प्रतिबंध का सामना करना पड़ा है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ; और

(घ) क्या सरकार ने अंतर्राष्ट्रीय प्रतिबंधों से निपटने के लिए 2031-2032 तक स्वदेशी यूरेनियम उत्पादन में दस गुना वृद्धि करने की योजना बनाई है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ?

उत्तर

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधान मंत्री कार्यालय (डॉ. जितेन्द्र सिंह):

(क) तथा (ख) जी, हाँ । परमाणु ऊर्जा विभाग (पऊवि) के अधीन, सार्वजनिक क्षेत्र के एक उपक्रम यूरेनियम कार्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (यूसीआईएल) ने परमाणु ऊर्जा विभाग (पऊवि) के विज़न के अनुरूप, यूरेनियम उत्पादन में आत्म निर्भरता प्राप्त करने के लिए, अगले 15 वर्षों (2031-32 तक) में लगभग दस गुणा वृद्धि प्राप्त करने के लक्ष्य के लिए एक विस्तृत योजना तैयार की है । यूसीआईएल ने व्यापक विस्तार की एक योजना तैयार की है, जिसमें वतर्मान सुविधाओं से सतत आपूर्ति बनाए रखने, कुछ वर्तमान सुविधाओं की क्षमता में विस्तार तथा देश के विभिन्न भागों में नए उत्पादन केन्द्रों (खदान एवं संयंत्र) का निर्माण शामिल है । पऊवि की एक संघटक यूनिट, परमाणु खनिज अन्वेषण एवं अनुसंधान निदेशालय (पखनि) द्वारा विभिन्न भौगोलिक बेसिनों में पहले से चिह्नित संसाधानों को ध्यान में रखकर झारखंड, आंध्रप्रदेश, कर्नाटक, तेलंगाना, राजस्थान तथा मेघालय में यूसीआईएल के मुख्य उत्पादन केन्द्रों को स्थापित करने की योजना है । असैन्य नाभिकीय सहयोग के परिणामस्वरूप परमाणु ऊर्जा विभाग (पऊवि), आईएईए अभिरक्षित नाभिकीय विद्युत संयंत्रों की ईंधन आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए यूरेनियम का आयात कर रहा है । यूरेनियम के आयात के लिए वर्तमान में लागू समझौते के तहत वर्ष 2020 तक आयात करने का प्रावधान है ।

(ग) जी, नहीं ।

(घ) जी, हाँ । नाभिकीय विद्युत संयंत्रों के लिए ईंधन हेतु पऊवि की यूरेनियम की आवश्यकता के अनुरूप यूसीआईएल द्वारा तैयार की गई विज़न योजना के अनुसार, यूसीआईएल का उत्पादन अगले 15 वर्षों में (2031-32 तक) लगभग दस-गुणा बढ़ जाएगा । तीन चरणों में यूरेनियम खनन परियोजनाओं की योजना है । पहले चरण की परियोजनाएं पूरी होने पर, 12वें वर्ष तक, वर्तमान यूरेनियम उत्पादन का 3.5 गुणा उत्पादन होने की आशा है । दूसरे चरण की परियोजनाएं पूरी होने पर, वर्तमान उत्पादन का सात गुणा उत्पादन होने की आशा है । तीसरे चरण की परियोजनाएं पूरी होने पर, 2031-32 तक, देश के यूरेनियम उत्पादन में दस गुणा वृद्धि होने की आशा है ।

****